क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 125, शुक्रवार, 31 मई, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वॉर मेमोरियल में शहीदों को दी श्रद्धांजलि।

पीएम श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

पीएम श्री नरेन्द्र मोदी भद्रेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समाधि स्थल 'सदैव अटल' पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

बड़ी जीत बड़ी सपथ- सरकार का राजतिलक

नरेंद्र मोदी ने ली प्रधानमंत्री पद की शपथ

अमित शाह के अलावा ये बड़े चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल

नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन में गुरुवार शाम 6 हजार मेहमानों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरी बार पद और गोपनीयता की शपथ ली. दूसरे नंबर पर राजनाथ सिंह ने कैबिनेट के तौर पर मंत्री पद की शपथ ली. बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने तीसरे नंबर पर पद और गोपनीयता की शपथ ली. अब तक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर काम करते आ रहे अमित शाह को पहली बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है. चौथे नंबर पर नितिन गडकरी ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली. इसके बाद शपथ लेने वाले कैबिनेट मंत्री इस प्रकार रहे. मंत्रिपरिषद में नौ राज्य मंत्रियों ने -स्वतंत्र प्रभार- के रूप में शपथ ली. सरकार में पहली बार शामिल होने वालों में जयशंकर के अलावा प्रह्लाद जोशी, अर्जुन मुंडा और रमेश पोखरियाल निशंक शामिल हैं. मोदी मंत्रिमंडल में 24 केंद्रीय और 24 राज्य मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली. 9 स्वतंत्र प्रभार मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली.

नेशनल डेस्क : नरेंद्र मोदी ने प्रधानंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ ली, उन्हें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शपथ ग्रहण कराई। 'मैं नरेंद्र दामोदर दास मोदी ईश्वर की शपथ लेता हूं, कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा। मैं भारत की प्रभुता और अखडंता अक्षुण रखूंगा। मैं संघ के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धा पूर्वक और शुद्ध अंतकर्ण से निर्वहन करूंगा तथा भय या पक्षपात अनुराग और द्वेष के बिना सभी प्रकार के लोगों के प्रति संविधान और विधि के अनुसार न्याय करूंगा।' नरेंद्र मोदी ने हिंदी में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

इस मौके पर बिम्स्टेक देशों के नेताओं के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के राज्यपाल , मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों के अध्यक्ष और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी , मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज ,कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई अन्य वरिष्ठ नेता भी समारोह में शामिल हुए। रतन टाटा और मुकेश अंबानी सहित उद्योग जगत तथा सिने जगत की कई हस्तियां भी मौजूद थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समारोह में आने से इंकार कर दिया था। समारोह में लगभग 8 हजार लोग उपस्थित थे। पडोसी देशों में से केवल पाकिस्तान को शपथ ग्रहण समारोह में नहीं बुलाया गया था। इससे पहले श्री मोदी ने सुबह राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि 'सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर उन्होंने शहीदों को भी नमन किया। श्री मोदी ने वर्ष 2014 में शपथ ग्रहण समारोह में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ देशों के नेताओं को बुलाया था।

मोदी के मंत्री

मोदी सरकार मे 24 केबीनेट मंत्री बनाए गए

मोदी सरकार मे 9 राज्य स्वतंत्र प्रभार बनाए गए

मोदी सरकार मे 24 राज्यमंत्री बनाए गए

24 कैबिनेट मंत्री
- राजनाथ सिंह
- अमित शाह
- नितिन गडकरी
- सदानंद गौड़ा
- निर्मला सीतारमन
- रामविलास पासवान
- नरेंद्र सिंह तोमर
- रविशंकर प्रसाद
- हरसिमरत कौर
- थावरचंद गहलोत
- एस जयशंकर
- रमेश पोखरियाल
- अर्जुन मुंडा
- स्मृति ईरानी
- डॉ. हर्षवर्धन
- प्रकाश जावडेकर
- पीयूष गोयल
- धर्मेंद्र प्रधान
- मुख्तार अब्बास नकवी
- प्रह्लाद जोशी
- महेंद्रनाथ पांडेय
- अरविंद सावंत
- गिरिराज सिंह
- गजेंद्र सिंह शेखावत

9 राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार
- संतोष गंगवार
- राव इंद्रजीत सिंह
- श्रीपद नाइक
- डॉ. जितेंद्र सिंह
- किरन रिजिजू
- प्रह्लाद पटेल
- आरके सिंह
- हरदीप सिंह पुरी
- मनसुख मंडाविया

24 सांसद बने राज्यमंत्री
- फग्गन सिंह कुलस्ते
- अश्विनी चौबे
- अर्जुन राम मेघवाल
- वीके सिंह
- कृष्णपाल गुर्जर
- दादा साहेब दानवे
- जी किशन रेड्डी
- पुरुषोत्तम रुपाला
- रामदास आठवले
- साध्वी निरंजन ज्योति
- बाबुल सुप्रियो
- संजीव बालियान
- संजय धोत्रे
- अनुराग ठाकुर
- सुरेश अंगाड़ी
- नित्यानंद राय
- सांसद रतनलाल कटारिया
- वी मुरलीधरन
- रेणुका सिंह
- सोमप्रकाश
- रामेश्वर तेली
- प्रताप चंद्र सारंगी
- कैलाश चौधरी
- देबाश्री चौधरी

1971 के बाद दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बना मोदी ने रचा इतिहास

नयी दिल्ली-

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जीत दिलाने वाले श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की गुरुवार को दूसरी बार शपथ लेकर इतिहास रच दिया। वह 1971 के बाद लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाले पहले नेता हैं। श्री मोदी 2014 में जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब भाजपा को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत मिला था। इस चुनाव में भी भाजपा को न केवल बहुमत मिला बल्कि उसकी सीटों की संख्या 300 के ऊपर निकल गयी। वर्ष 1971 के बाद यह पहला मौका है जब किसी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में ऐसा हुआ था। श्री मोदी यह रिकार्ड बनाने वाले पंडित जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद तीसरे और पहले गैर कांग्रेसी नेता हैं। श्री मोदी ने लोकसभा चुनाव का मतदान पूरा होने के पहले ही यह रिकार्ड बनने की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने अंतिम चरण का चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ पहले कहा था कि उनकी सरकार पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सत्ता में आ रही है और ऐसा लंबे अर्से के बाद होने जा रहा है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में तीन बार कांग्रेस की बहुमत वाली सरकार सत्तारूढ़ हुयी थी। इसके बाद इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1967 और 1971 में लगातार दो बार इस तरह की सरकार बनी थी। उसके बाद अब श्री मोदी यह करिश्मा दोहराने में सफल हुये हैं। कांग्रेस ने 1980 और 1984 में भी लगातार लोकसभा में बहुमत हासिल किया था लेकिन दोनों बार प्रधानमंत्री अलग-अलग थे। आपातकाल के बाद हुये चुनाव में सत्ता से बेदखल हुयी इंदिरा गांधी ने 1980 में वापसी की थी लेकिन 1984 में उनकी पद पर रहते हत्या कर दी गयी थी और उनके पुत्र राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने थे। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुये लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने चार सौ से अधिक सीटें हासिल की थीं। इस चुनाव के बाद तीन दशक तक लोकसभा में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। पिछले चुनाव में भाजपा ने लोकसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर इतिहास रचा था। श्री मोदी ने दोबारा प्रधानमंत्री बनने के साथ ही एक और रिकार्ड बनाया है। वह पंडित नेहरु और डॉ मनमोहन सिंह के बाद तीसरे ऐसे नेता हैं जिन्होंने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से देश की बागडोर संभाली है। पंडित नेहरू एकमात्र ऐसे नेता हैं जो दो बार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से इस पद पर पहुंचे थे। दोबारा प्रधानमंत्री बनने के साथ श्री मोदी ने डॉ मनमोहन सिंह की बराबरी की है। डॉ सिंह 2004 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे जब कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार बनी थी। पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद उन्होंने 2009 में इस गठबंधन की सरकार का फिर से नेतृत्व किया। पंडित नेहरू के बाद इंदिरा गांधी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहीं, पर उनका नाम इस सूची में नहीं आता। वह 1966 में लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद पहली बार प्रधानमंत्री बनीं। एक वर्ष बाद 1967 के चुनाव में कांग्रेस की जीत के साथ उन्होंने फिर से यह पद संभाला। कांग्रेस की अंदरूनी कलह के चलते उन्होंने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने से एक वर्ष पहले ही लोकसभा भंग कर 1971 में चुनाव करा दिये। इस चुनाव में उन्हें भारी सफलता मिली और वह फिर से प्रधानमंत्री बनी। श्रीमती गांधी को 1977 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। वह 1980 में चौथी बार प्रधानमंत्री बनीं।

भीषण गर्मी की चपेट में उत्तर भारत, अगले 3 दिन भी चलेगी लू

नई दिल्ली

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्म हवाएं चल रही हैं और महाराष्ट्र के चंद्रपुर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस महीने का सबसे अधिकतम तापमान था। वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो कि सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे था। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, बिहार, झारखंड और ओडिशा में लू का प्रकोप अगले दो-तीन दिन तक जारी रहेगा। राजस्थान में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। चूरू में अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य तापमान से चार डिग्री अधिक है। पंजाब में भी कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। राज्य के पश्चिमी इलाकों में भीषण गर्मी और लू चलने से आम जन- जीवन प्रभावित हुआ है। बीकानेर-श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान क्रमशः 46.8-46.8 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर में 45.5, कोटा में 45.3 और बाड़मेर में 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। विदर्भ क्षेत्र के चंद्रपुर में अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेलंगाना में भी लगातार भीषण गर्मी पड़ रही है। यहां आदिलाबाद शहर में लगातार दूसरे दिन भी तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के ऊना में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जम्मू में बुधवार को इस मौसम का अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मोदी को सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस-एनसीपी अपना सकते हैं विलय का फॉर्मूला

नई दिल्ली- लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हुई शर्मनाक हार पार्टी नेताओं को बर्दाश्त नहीं हो रही है। कई नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, तो कई पार्टी बदल रहे हैं। देशभर में कांग्रेस का वाजूद खत्म होने की कगार पर है। यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस्तीफा देने पर उतारू है। कई कद्दावर नेताओं के भाजपा या शिवसेना में जाने के बाद से महाराष्ट्र कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी में हलचल मची हुई है। ऐसे में एनसीपी के कांग्रेस में विलय की बातें जोर पकड़ रही हैं। मोदी के सत्ता में आने के बाद दोनों ही दल कमजोर है। कांग्रेस और एनसीपी के आलाकमान को फैसला करना है, लेकिन दोनों दलों के नेताओं में चर्चा जोरों पर है कि अब एनसीपी का कांग्रेस में विलय हो जाना चाहिए। इस विलय का सुझाव देने वाले नेता दोनों दलों में हैं लेकिन आलाकमान का रुख साफ हुए बिना खुलकर बोलने से बच रहे हैं। पार्टी के नेताओं ने अंदरखाने प्रस्ताव भी तैयार किया है, जिसके तहत विलय होने पर एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद दे दिया जाए। इससे विपक्षी एकता को पवार धार देंगे। वहीं लोकसभा में एनसीपी के 5 सांसदों के विलय से कांग्रेस सदस्यों की संख्या भी बढ़कर 57 हो जाएगी और उसको विपक्ष के नेता का पद भी मिल जाएगा, जिस पर राहुल खुद काबिज होकर मोदी सरकार से मुकाबला कर सकते हैं। बता दें कि सोनिया गांधी के विदेशी मूल के होने के चलते ही कांग्रेस से निकलकर एनसीपी बनी थी। पहले दोनों दल महाराष्ट्र में बराबर की ताकत रखते थे, तब विलय संभव नहीं था। दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की लंबी फेहरिस्त को एक दल में लाना खासा मुश्किल था, लेकिन अब दोनों कमजोर हैं। ऐसे में चर्चा है कि इसी साल होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दोनों एकजुट होकर मुकाबला करें तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

दिल्ली में शपथ ग्रहण के दौरान हैक हुई बीजेपी की वेबसाइट, बनाई बीफ पार्टी

नई दिल्ली।

नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में दूसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। जिस वक्त नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर थे उसी दौरान दिल्ली में किसी ने बीजेपी की वेबसाइट **delhi.bjp.org** को हैक कर दिया। हैक करने के बाद वेबसाइट पर मौजूद कई टाइटल बदल कर वहां 'बीफ' लिख दिया गया। इसके अलावा बीफ से संबंधित कई तस्वीरें भी पोस्ट कर दीं गईं। वेबसाइट के होम पेज पर पार्टी के इतिहास के पेज को बदलकर हैकर्स ने इसकी जगह अबाउट बीफ नाम का नया पेज ऐड कर दिया। हालांकि बाद में होम पेज को ठीक किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक मेन्यू में बीफ लिखा हुआ देखा जा सकता है। हालांकि अभी तक किसी हैकर ग्रुप ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। फिलहाल बीजेपी की तरफ से इस बारे में किसी भी तरह का कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

संपादकीय

विकास ही नहीं, सुरक्षा भी हो

महानगरों में आलीशान ईमारतों में विकास नजर आता है लेकिन जब इन्हीं इमारतों में मासूम बच्चे बेबसी से आग की भेंट चढ़ जाएं तब विकास पर सवाल उठना स्वाभाविक है। गत दिनों गुजरात के सूरत शहर में एक ईमारत को आग लगने से वहां एक कोचिंग सेंटर पर कोचिंग ले रहे बच्चों सहित 23 की मौत हो गई। कागजी कार्रवाई में सुरक्षा के नियमों व उन्हें लागू करने के लंबे चौड़े कसीदे कसे जाते हैं लेकिन इन्हीं नियमों को लागू करने वाले अधिकारियों के सामने सबकुछ गैर-कानूनी तरीके से चलता रहता है। सूरत में जिस इमारत को आग लगी है, उसकी एक मंजिल गैर-कानूनी है, जिसकी प्रशासन से अनुमति नहीं ली गई। शहरों में इमारतों की गिनती बढ़ने के साथ-साथ उनकी ऊंचाई भी बढ़ रही है लेकिन सुरक्षा के लिहाज से देखें तब कोई घटना घटित होने पर दमकल विभाग में एक भी कर्मचारी फोन उठाने वाला नहीं होता या फिर लैंडलाइन फोन खराब मिलता है। देश में जनसंख्या के बढ़ने के साथ-साथ दमकल विभाग में फायर ब्रिगेड गाड़ियों की संख्या भी नहीं बढ़ाई गई। सूरत की घटना में फायर ब्रिगेड गाड़ियों में पानी खत्म होने पर दोबारा पानी भरने के लिए गॉड़ी को 20 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी। यदि यही गाड़ी 2 या 3 किलोमीटर से पानी भरने के लिए जाती तो इतने बड़े स्तर पर नुकसान को रोका जा सकता था। सेंटर में आग लगने के बाद न केवल गुजरात बल्कि देश में बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा की समीक्षा की जांच शुरू होगी लेकिन यह कार्रवाई तब हो रही है जब 23 अनमोल जिंदगियां आग की भेंट चढ़ गई। देश में यह कोई पहला हादसा नहीं, इससे पहले भी इस प्रकार की कई घटनाएं घट चुकी हैं लेकिन कानून व नियमों की बात केवल तीन-चार दिन तक ही होती है। फिर वही अधिकारी कानून व नियमों को भूल जाते हैं। लुधियाना में एक भयानक अग्नि कांड को डेढ़ वर्ष ही हुआ है, जहां फायर कर्मचारियों सहित 12 लोगों की मौत हो गई थी। कर्मचारियों के पास आग बुझाने के लिए प्रयोग करने वाला फायर कोट व अन्य सामान उपलब्ध नहीं था। इस घटना के बाद विभागीय मंत्री ने सामान व फायर कोट उपलब्ध करवाने के ब्यान दिए लेकिन एक साल के बाद भी कर्मचारियों को सामान उपलब्ध नहीं हो सका। पंजाब सरकार ने नया फायर सेफ्टी एक्ट बनाने की भी घोषणा की लेकिन बाद में यही बात आई-गई हो गई। बिल्डरों व उनके किरायेदारों की गलतियों का खमियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इस मामले में जल्द जांच होगी, मुआवजा मिलेगा जैसे नेताओं के बयान तक सीमित रहने की बजाए यह यकीनी बनाया जाए कि इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में न घटित हों।

ट्वीट

तमाचा

कोचिंग सेंटर शिक्षा नीति पर करारा तमाचा है।1984 के बाद 92 और 2005 में आंशिक बदलाव के अलावा विगत पैंतीस सालों में देश के हुक्मरानों नें शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया। अगर इस बार भी नरेन्द्र मोदी कुछ नहीं करते हैं, तो तक्षशिला-नालंदा का देश मुखर्जी नगर-कोटा बनने को तैयार बैठा है।

अतुल कुमार राय, लेखक

जातिवाद से आजाद होता देश का लोकतंत्र

-डॉ. नीलम महेंद्र

2019 के लोकसभा चुनाव परिणाम कई मायनों में ऐतिहासिक रहे। इस बार के चुनावों की खास बात यह थी कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनाव परिणामों पर देश ही नहीं दुनिया भर की नजरें टिकी थीं और इन चुनावों के परिणामों ने विश्व में जो आधुनिक भारत की नई छवि बन रही थी उस पर अपनी ठोस मोहर लगा दी है कि ये वो भारत है जिसका केवल नेतृत्व ही नहीं बदला बल्कि यहां का जनमानस भी बदला है उसकी सोच भी बदल रही है। ये वो भारत है जो केवल बाहर से ही नहीं भीतर से भी बदल रहा है। इस भारत का लोकतंत्र भी बदल रहा है। जो लोकतंत्र जातिवाद मजहब समुदाय की बेड़ियों में कैद था उसे विकास ने आजाद करा लिया है। इसकी बानगी दिखी नतीजों के बाद जब सेंसेक्स ने भी मोदी सरकार की वापसी पर रिकॉर्ड 40000 की उछाल दर्ज की। आजाद भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि किसी गैर कांग्रेस सरकार को दोबारा जनता ने सत्ता की बागडोर सौंप दी हो वो भी पिछली बार से ज्यादा बहुमत के साथ और आजाद भारत के इतिहास में कांग्रेस के साथ लगातार दूसरी बार ऐसा हुआ है कि वो संसद में विपक्ष का प्रतिनिधित्व करने लायक संख्या बल भी नहीं जुटा पाई हो। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का विषय होना चाहिए कि उसका यह प्रदर्शन तो आपातकाल के बाद हुए चुनावों में भी नहीं था। 1977 के अपने उस सबसे बुरे दौर में भी कांग्रेस ने 152 सीटें जीती थीं। दरअसल इन पांच सालों में और खास तौर पर चुनावों के दौरान देश को अगर किसी ने निराश किया है तो कांग्रेस ने। क्योंकि इन पांच सालों में उसने अपने किसी भी काम से ना तो भाजपा को चुनौती दी और ना ही खुद को लोगों के सामने भाजपा अथवा मोदी के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कोई ठोस कदम उठाए। वो अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की कोशिश करने के बजाए भाजपा की खराब परफॉर्मेंस का इंतजार करती रही। शायद कांग्रेस ने राजनैतिक पंडितों के इस गणित पर भरोसा कर लिया था कि भाजपा 2014 में अपना सर्वश्रेष्ठ दे चुकी है और उसने हर राज्य में इतना अच्छा परफॉर्म कर लिया है कि वो अपने इस प्रदर्शन को किसी भी हालत में दोहरा नहीं सकती। और सत्ताविरोधी लहर के चलते उसकी सीटें हर राज्य में निश्चित ही कम होंगी। इसके अलावा उत्तरप्रदेश में सपा बसपा का गठजोड़ उसे 15-20 सीटों तक समेट देगा। यह वाकई निराशाजनक है कि भाजपा की हार में से ही कांग्रेस अपनी जीत के रास्ते खोजती रही। लेकिन वो भूल गई कि शॉर्टकटस से लंबे रास्ते तय नहीं होते और ना ही किसी की असफलता किसी की सफलता की वजह बन सकती है। सफलता तो नेक नियत और कठोर परिश्रम से हासिल होती है। इसलिए देश की जनता खास तौर पर उत्तर प्रदेश की जनता को सलाम है कि उसने वोटबैंक की राजनीति करने वाले सभी राजनैतिक दलों को एक सकारात्मक संदेश दे दिया है। उत्तरप्रदेश की जनता वाकई बधाई की पात्र है कि जिस राज्य में राजनैतिक दल दलितों यादवों मुसलमानों आदि के वोट प्रतिशत के हिसाब से अपना अपना वोट शेयर आंक कर अपनी सीटों का गणित लगाते थे उस प्रदेश में विकास और अपने काम के बल पर अकेले भाजपा को 50ब और कहीं कहीं तो 60ब तक का वोट शेयर मिला। जबकि वोटबैंक की राजनीति करने वाले बुआ बबुआ का गठबंधन जो भाजपा को 20 सीटों के अंदर समेट रहा था वो खुद 15 पर सिमट गया।

यह पहली बार हुआ कि वोटबैंक की राजनीति करने वाले हर दल को पूरे देश ने एक ही जवाब दिया। जो कांग्रेस एनआरसी के मुद्दे पर भाजपा को घेर रही थी उसे असम की जनता ने जवाब दे दिया। जो महबूबा मुफ्ती 370 हटाने पर कश्मीर में भारत के झंडे का अपमान करने की बात करती थीं उन्हें जम्मूकश्मीर की जनता ने जवाब दे दिया। जो ममता प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री मानने से ही इंकार कर रही थीं और उन्हें जेल में डालने की बात करती थीं उन्हें बंगाल की जनता ने जवाब दे दिया है। नोटबन्दी और जीएसटी पर सरकार को लगातार घेरने वाले विपक्ष को देश ने जवाब दिया। विश्व के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि जीएसटी लागू करने वाली किसी सरकार की सत्ता में वापसी हुई हो। इसलिए भाजपा की इस अभूतपूर्व विजय में मध्यम वर्ग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। खुद प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि देश के इतिहास में इतना मतदान पहली बार हुआ है। और आंकड़े बताते है कि जब जब मध्यम वर्ग ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है मतदान का प्रतिशत बढ़ा है। दरअसल जो मध्यम वर्ग पहले वोटिंग के प्रति उदासीन रहता था उसने भी इस बार मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जो राजनैतिक पंडित उज्ज्वला योजना आयुष्मान योजना प्रधानमंत्री आवास योजना शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं के कारण केवल दलितों शोषितों वंचितों का जात और मजहब से ऊपर उठकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने को ही भाजपा की जीत का एकमात्र कारण मान रहे हैं वो या तो नादानी वश कर रहे हैं या फिर स्वार्थवश ऐसा कह रहे है। लेकिन इस सब से परे इन नतीजों ने बहुत से पुराने मिथक तोड़े हैं तो कई नई उम्मीदें भी जगाई हैं। ये वो नतीजे हैं जिन्होंने चुनावों की परिभाषा ही बदल दी। इन नतीजों ने बता दिया कि चुनाव सीटों के अंकगणित का खेल नहीं बल्कि मतदाता का अपने नेता के ऊपर विश्वास के रसायन से उपजे समीकरण हैं। इसलिए चुनावो में गणित की तर्ज पर दो और दो मिल चार कभी नहीं होते बल्कि दो और दो मिलकर बाईस होंगे या बैक फायर होकर शून्य बन जाएंगे यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। जैसे जिस पिछले चुनावों में विपक्ष के लिए मोदी को चाय वाला और नीच कहना भारी पड़ गया तो इस बार चौकीदार चोर है के नारे लगवाना। झूठे नैरेटिव बना कर जो चोर न हो उसे चोर कहना जो भ्रष्ट ना हो उसे भ्रष्ट कहना जो ईमानदार है उसे बेईमान कहना विपक्ष को किस कदर भारी पड़ने वाला है इसका अंदाजा शायद उन्हें भी नहीं था। दरसअल स्वार्थ वंशवाद अवसरवाद की राजनीति को जनता अब समझने लगी है। इन चुनाव परिणामों से जनता ने जवाब दे दिया है कि जो काम करेगा वो ही राज करेगा। लेकिन विपक्ष की परेशानी यह है कि मोदी ने एक बहुत बड़ी रेखा खींच ली है और अफसोस की बात यह है कि उस रेखा की बराबरी करने की ताकत विपक्ष में हो ना हो लेकिन जज्बा नहीं है। शायद इसलिए वो लगातार मोदी की बनाई लकीर को छोटी करने में लगा है।

ज्ञान गंगा

ईश्वर है या नहीं

श्री राम शर्मा आचार्य

नास्तिकवाद का कथन यह है कि-''इस संसार में ईश्वर नाम की कोई वस्तु नहीं, क्योंकि उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता।' अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान सम्मत है केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता इसलिए उसे क्यों मानें? इस प्रतिपादन पर विचार करते हुए हमें यह सोचना होगा कि अब तक जितना वैज्ञानिक विकास हुआ है क्या वह पूर्ण है? क्या उसने सृष्टि के समस्त रहस्यों का पता लगा लिया है? यदि विज्ञान को पूर्णता प्राप्त हो गई होती तो शोधकायरे में दिन-रात माथापच्ची करने की वैज्ञानिकों को क्या आवश्यकता रह गई होती? सच बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों को कौन जानता था, पर जैसे-जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई, यह शक्तियां खोज निकाली गई। यह जड़ जगत की खोज है। चेतन जगत संबंधी खोज तो अभी प्रारम्भिक अवस्था में ही है। बाह्य मन और अंतर्मन की गति-विधियों को शोध से ही अभी आगे बढ़ सकना संभव नहीं हैं। यदि हम अधीर न हों तो आगे चलकर जब चेतन जगत के मूल-तत्वों पर विचार कर सकने की क्षमता मिलेगी तो आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी प्रमाणित होगा। ईर अप्रमाणित नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प है, जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण सम्भव नहीं हो पा रहा है। पचास वर्ष पूर्व जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था तब वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। उन दिनों सृष्टि के अंतराल में काम करने वाली चेतन सत्ता का प्रमाण पा सकना अविकसित विज्ञान के लिए कठिन था। पर अब तो बादल बहुत कुछ साफ हो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ-साथ मनीषियों के लिए चेतन सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा है। आधुनिक विज्ञान वेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रमाणित हो सकेगा। जो आधार विज्ञान को अभी प्राप्त हो सके हैं, वे अपनी अपूर्णता के कारण आज ईर का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ भले ही न हों पर उसकी संभावना से इनकार कर सकना उनके लिए भी संभव नहीं है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

जनतंत्र की कसौटी बने राजनीतिक शुचिता

दागी प्रतिनिधि/ विश्वनाथ सचदेव

संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित उस कार्यक्रम में भाजपा समेत एनडीए के निर्वाचित सांसद प्रधानमंत्री मोदी के अभिनंदन के लिए एकत्र हुए थे। प्रधानमंत्री ने अपने प्रभावशाली भाषण में 'न्यू इंडिया' के निर्माण के लिए नवनिर्वाचित सांसदों का आह्वान करते हुए सार्वजनिक जीवन में शुचिता के महत्व को रेखांकित किया था। सांसद एक-एक कर प्रधानमंत्री को बधाई दे रहे थे। तभी भोपाल से भाजपा की टिकट पर निर्वाचित सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर प्रधानमंत्री के समक्ष पहुंचीं। प्रधानमंत्री ने उन्हें देखकर मुंह फेर लिया। साध्वी प्रज्ञा का अभिनंदन न स्वीकार कर प्रधानमंत्री ने अपनी उस प्रतिक्रिया को ही रेखांकित किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे के बारे में साध्वी प्रज्ञा ने जो कहा है, उसके लिए वे साध्वी को मन से कभी क्षमा नहीं कर पायेंगे। ज्ञातव्य है कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ने गोडसे को देशभक्त बताया था। ज्ञातव्य है कि साध्वी प्रज्ञा और कुछ अन्यों के खिलाफ सन 2008 में हुए मालेगांव बम धमाके का आरोप है और फिलहाल वे स्वास्थ्य-कारणों से ज़मानत पर हैं। निश्चित रूप से उन्होंने यह तथ्य चुनाव आयोग के समक्ष दिये गये हलफनामे में रखा होगा। सवाल उठता है कोई साध्वी प्रज्ञा हमारी राजनीति की ज़रूरत क्यों बने? और यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि हमारी नयी लोकसभा में 539 विजेताओं में से 233 सांसदों ने स्वयं घोषणा की है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। सन 2009 की लोकसभा की तुलना में यह आंकड़ा 44 प्रतिशत अधिक है। विजयी सांसदों में से लगभग आधे सांसदों ने चुनाव आयोग के समक्ष अपने पर लगे आरोपों की पुष्टि की है। अब हमारी इस नयी लोकसभा में लगभग आधे सांसद ऐसे होंगे, जिन पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। यह भी सही है कि सांसदों पर हत्या, हत्या की कोशिश, बलात्कार जैसे गंभीर आरोप भी लगे हैं! उच्चतम न्यायालय ने भी संसद से यह आग्रह किया है कि कोई ऐसा कानून बनाया जाये ताकि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग हमारी राजनीति को दूषित न कर सकें। न्यायालय के ही निर्देश पर उम्मीदवारों के लिए उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों की जनता को जानकारी देना ज़रूरी बनाया गया है। इस संदर्भ में कुछ विशेष अदालतें बनीं भी, पर बात बनी नहीं। दुर्भाग्य से हमारे यहां न्याय की रफ्तार बहुत धीमी है और अपराध की चाल बहुत तेज़ है। लेकिन सवाल सिर्फ त्वरित निर्णय का ही नहीं है, सवाल यह है कि हमारी राजनीति आपराधिक बैसाखियों के बिना क्यों नहीं चल सकती? आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग हमारे राजनीतिक दलों की विवशता क्यों बन जाते हैं? और क्यों मतदाता को उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि को नज़रअंदाज़ करना पड़ता है? ऐसा नहीं है कि दुनिया के बाकी देशों की राजनीति आपराधिक तत्वों के हस्तक्षेप से पूर्णतया मुक्त है। पर हमारी स्थिति, दुर्भाग्य से, बद से बदतर होती जा रही है। जनतंत्र में हमारे प्रतिनिधि हमारा शासन चलाते हैं। क्यों हम बाध्य हों ऐसे प्रतिनिधियों को चुनने के लिए जो हमारा आदर्श नहीं बन सकते? आखिर कोई रास्ता तो निकालना ही होगा राजनीति के गंदे नाले को साफ करने का। यह सफाई तभी सार्थक हो सकती है जब गंदगी बढ़ने की स्थितियां समाप्त हों। राजनीति की गंगा भी तभी स्वच्छ होगी जब हमारी घटिया राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के गंदे नाले उसकी नियति नहीं रहेंगे। आरोपों से भले ही न बचा जा सके, पर आरोपों का निपटारा करने की प्रक्रिया को इतना तेज़ और प्रभावी तो बनाया ही जा सकता है कि हमारे सांसद-विधायक आरोपों से शीघ्रातिशीघ्र मुक्त हों। एक समय-सीमा तय होनी चाहिए निर्वाचित प्रतिनिधियों पर लगे आरोपों के निपटारे के लिए। यह कानून का मज़ाक ही है कि बरसों तक कोई जनप्रतिनिधि आरोप प्रमाणित न होने के नाम पर शासक बना रहे, और फिर पता चले, वह तो अपराधी था! राजनीति को अपराध के चंगुल से बचाने में नागरिक की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। वह क्यों ऐसे प्रतिनिधियों को स्वीकारे, जिनके दामन पर दाग़ हैं। साध्वी प्रज्ञा सिंह को मन से क्षमा न करने की बात कहकर प्रधानमंत्री ने एक रास्ता दिखाया है। बात सिर्फ मन से क्षमा न करने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। कुछ ठोस कार्रवाई ज़रूरी है। पहली ऐसी कार्रवाई उपयुक्त कानून बनाने की है जो उचित सज़ा दे सके, और दूसरी कार्रवाई उन कानूनों के प्रति जनता में आदर और विश्वास पैदा करने की है जो हमारी राजनीति को आपराधिक तत्वों की पकड़ और जकड़ से मुक्त करने में सहायक हों। आवश्यकता सोच बदलने की भी है। अपराधी के मन में यह भाव भी पैदा करना है कि जनता का नकार उसकी राजनीतिक लालसाओं पर पूर्णविराम लगा सकता है। राजनीतिक शुचिता हमारे जनतंत्र की सार्थकता की कसौटी है।

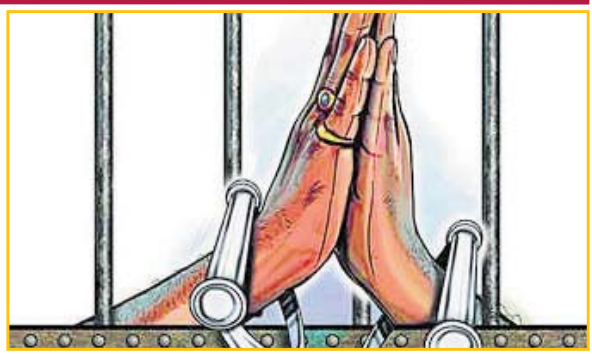

बोइंग 737 मैक्स विमान जुलाई से फिर भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बोइंग 737 मैक्स जुलाई तक फिर से उड़ान भरना शुरू कर देगा। द्धञ्ज अंतराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ को आशा है कि बोइंग 737 एक्स मैक्स की सेवा में वापस लौटने से पूर्व अगस्त में उड़ाने भरना शुरू कर देगा। बोइंग कंपनी ने 737 मैक्स की सबसे बड़े खरीदारों में से एक बजट कैरियर स्पाइस जैट को बताया है कि जमीन पर खड़े जैट विमान जुलाई तक फिर से उड़ान भरने की स्थिति में होने चाहिए, जिससे स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि ये विमान उद्योग की आशा के विपरीत समय से पूर्व ही अपनी सेवाएं देना शुरू कर देगा। स्पाइस जैट के मुख्य वित्तीय अधिकारी किरन कोटेश्वर ने एक इंटरव्यू में कहा कि ये समयसीमा हमे उनके अनुभव के आधार पर दी गई है कि जुलाई या जून के अंत में ये विमान उड़ान भरना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमे आशा है जुलाई या जून के अंत में ये विमान उड़ान भरना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमे आशा है कि ये विमान सेवा जुलाई में शुरू हो जाएगीं ये समयसीमा उन अधिकांश नियामकों और एयरलाइंस की घोषणाओं से काफी अग्रिम हैं जिन्होंने इंडोनेशिया और इथोपिया में विमानों की दुर्घटनाओं के बाद मार्च में बोइंग को जमीन पर उतार दिया गया था। यूरोपियन नियामक ने मैक्स के प्रस्तावित कार्यक्रम में परिर्वतन किया जो आकाश में वापस लौटने से पूर्व जैट के समूचे फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम की जांच करने की योजना बना रहा है।

अमरीका उड्डयन नियामकों ने कहा कि वह इस मामले को ज्यादा तूल नहीं देंगे। विमान के सबसे बड़े बाजारों में से एक इंडोनेशिया ने नियामकों में संकेत दिया है कि वे अगले वर्ष तक जेट विमान को खड़ा रख सकते हैं। कोटेश्वर ने कहा कि सभी अन्य नियामक भी उनके साथ खुश हैं लेकिन उन्होंने कहा कि वोइंग इस बात को लेकर काफी विश्वास में है कि उसे जुलाई तक सभी मंजूरियां मिल जाएंगी।

बोइंग के भारत स्थित प्रतिनिधियों ने इस संबंध में टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया।

भारत, चीन और जापान से ग्लाइसिन का आयात अमेरिकी उद्योग को पहुंचा रहा नुकसान

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारत, चीन और जापान से ग्लाइसिन का आयात अमेरिकी उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है क्योंकि यह उत्पाद अमेरिकी मूल्य से कम पर बेचा जा रहा है. एक संघीय व्यापार निकाय ने यह दावा किया है. यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन (स्द्धञ्जष्ट) ने कहा कि उसने यह निष्कर्ष निकाला है कि भारत और जापान से ग्लाइसिन के आयात से अमेरिकी उद्योग को नुकसान पहुंचा है। निकाय ने यह भी कहा कि अमेरिका में ग्लाइसिन जिस उचित मूल्य में बाजार में उपलब्ध है, चीन और भारत ने उससे कम पर बेचा है. इस आयात पर चीन और भारत की सरकारों ने रियायत दी है. इस आयात पर चीन और भारत की सरकारों ने रियायत दी है. बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि स्द्धञ्जष्ट के सकारात्मक निर्णयों के परिणामस्वरूप, अमेरिकी वाणिज्य विभाग भारत और जापान से इस उत्पाद के आयात पर एंटी डम्पिंग ड्यूटी और चीन और भारत से इसके आयात पर प्रतिकारी शुल्क लगाने का आदेश जारी करेगा. एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यूएसयूआईटीसी के अध्यक्ष डेविड जोहानसन और कमिश्नर इरविंग विलियमसन, मेरेडिथ ब्रॉडबेंट, रोंडा शिमड्टलिन और जेसन कियर्न्स ने इस कदम का समर्थन किया।

कस्टमर की परमिशन पर केवाईसी के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं बैंक: आरबीआई

मुंबई (एजेंसी)।

बैंक ग्राहकों की सहमति से केवाईसी (ग्राहक को जानो) सत्यापन के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को यह बात कही। केंद्रीय बैंक ने व्यक्तियों की पहचान के लिए दस्तावेजों की अपनी सूची को अद्यतन किया। रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया है कि बैंक और अन्य इकाइयां बैंक खाते खोलने समेत विभिन्न ग्राहकों सेवाओं के लिए केवाईसी नियमों का पालन करेंगे। केंद्रीय बैंक ने केवीईसी पर संशोधित मास्टर निर्देशन में कहा कि बैंक को ऐसे व्यक्तियों का आधार सत्यापन/ऑफलाइन सत्यापन करने की अनुमति दी गई है, जो स्वेच्छा से अपने आधार का उपयोग पहचान को प्रमाणित करने के लिए करना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी में, बैंक खाते खोलने और मोबाइल फोन कनेक्शन लेने के लिए पहचान प्रमाण के रूप में आधार के स्वैच्छिक उपयोग की अनुमति देने के लिए एक अध्यादेश को मंजूरी दी थी। अध्यादेश को एक विधेयक के रूप में पेश किया था, जिसे 4 जनवरी को लोकसभा में पारित कर दिया गया था लेकिन राज्यसभा में यह लंबित पड़ा था। लोकसभा भंग होने के साथ ही विधेयक भी समाप्त हो गया है। आरबीआई ने कहा कि आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेजों (ओवीडी) की सूची में आधार को प्रमाण के रूप में जोड़ा गया है।

शेयर, ऋण-पत्रों से 35,000 करोड़ रुपए जुटाएगी टाटा टेलीसर्विसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दूरसंचार कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र तरजीही शेयर और गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 35,000 करोड़ रुपए जुटाएगी। बंबई शेयर बाजार को भेजी सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी के निदेशक मंडल ने इस राशि में से 15,000 करोड़ रुपए अपने प्रवर्तकों से जुटाने की मंजूरी दे दी है। इन प्रवर्तकों में टाटा संस और उसकी अनुषंगियां शामिल हैं। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लि. (टीटीएमएल) के निदेशक मंडल ने शेष 20,000 करोड़ रुपए की राशि एक या अधिक किस्तों में गैर परिवर्तनीय डिबेंचरों के जरिये जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी के निदेशक मंडल की 29 मई को हुई बैठक में यह मंजूरी दी गई। टीटीएमएल को 31 मार्च को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 579.55 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ हुआ। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 681.5 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी को 667.6 करोड़ रुपए का सालाना घाटा हुआ जबकि 2017-18 में कंपनी को 9,841.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

भारत में अवैध रूप से बिक रहे हैं 36 ई-सिगरेट ब्रांड

नई दिल्ली। भारत में ई-सिगरेट कंपनियों के प्रवेश को रोकने के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रयासों के बावजूद एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि 36 ब्रांड पिछले तीन सालों से देश में ऐसे अवैध उपकरण (ई-सिगरेट) बेच रहे हैं। 31 मई को विश्व तंबाकू दिवस से पहले जारी यह सर्वेक्षण नयी दिल्ली के गैर लाभकारी संगठन च्कंज्यूमर वॉयस ने किया है। यह संगठन लोगों से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है। ई-सिगरेट ऐसी प्रणाली है जिसके जरिए निकोटिन को आकर्षक रूप में पेश किया जाता है। इनकी ब्रांडिंग कम नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद के तौर पर की जाती है जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह सच नहीं है। ये उपकरण तंबाकू उत्पादन, वितरण एवं उपयोग पर मौजूदा राष्ट्रीय कानून के दायरे में नहीं आते लेकिन स्वास्थ्य के लिए पारंपरिक सिगरेट जितने ही नुकसानदेह होते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ई-सिगरेट कंपनियों के भारत में प्रवेश को रोकने को लेकर वाणिज्य मंत्रालय में कई पत्र लिखे हैं और देश के स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इन उपकरणों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की अपील कर रहे हैं। पूर्व के अध्ययनों में पाया गया है कि 10 साल से कम उम्र में ई-सिगरेट का प्रयोग और हुक्का पीना शुरू करने वाले छात्रों की संख्या पिछले 15 साल में 26 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गई है। हालिया अध्ययन से सामने आया है कि दिल्ली में ई-सिगरेट के आठ ब्रांड ऑनलाइन एवं दुकानों दोनों जगह पर इनकी बिक्री कर रहे हैं। इसी तरह ये ब्रांड मुंबई, लखनऊ एवं देश के अन्य हिस्सों में भी उपलब्ध हैं।

चुनावी नतीजों के बाद पहली बार सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम गुरुवार को छह-छह पैसे कम हुए। गत 19 मई को आम चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद दोनों ईंधनों के दाम में यह पहली गिरावट है।देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल छह पैसे सस्ता होकर 71.80 रुपए प्रति लीटर बिका। डीजल भी इतनी ही गिरावट के बाद 66.63 रुपये प्रति लीटर पर आ गया। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी पेट्रोल छह-छह पैसे सस्ता होकर क्रमशः 73.86 रुपए, 77.41 रुपए और 74.53 रुपए प्रति लीटर बिका। डीजल कोलकाता और चेन्नई में छह-छह पैसे की गिरावट के साथ क्रमशः 68.39 रुपए और 69.82 रुपए प्रति लीटर रह गया। चेन्नई में इसकी कीमत सात पैसे घटकर 70.43 रुपए प्रति लीटर पर आ गई। तेल विपणन कंपनियाँ दैनिक आधार पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों की समीक्षा करती हैं तथा रोजना सुबह छह बजे से नयी दरें लागू होती हैं। दाम तय करते समय अंतररष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम तथा डॉलर की तुलना में रुपए के विनिमय दर को ध्यान में रखा जाता है।

गेल ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज पर कर्ज दावे को लेकर खटखटाया एनसीएलटी का दरवाजा

मुंबई। सार्वजनिक कंपनी गेल इंडिया ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज पर 390 करोड़ रुपए के अपने कर्ज दावे को स्वीकार करने का आग्रह करते हुए बुधवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) का दरवाजा खटखटाया। गेल के इस दावे को इससे पहले समाधान पेशेवर (आरपी) ने खारिज कर दिया था। गेल के वकील ने एक आवेदन में कहा कि सरकारी गैस कंपनी वीडियोकॉन की परिचालन कर्जदाता है। उसे कंपनी के कर्जदाताओं की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। वकील ने न्यायाधिकरण को बताया, हम 390 करोड़ रुपए के कर्ज दावे को स्वीकार करने के लिए एक आवेदन करना चाहते हैं। जिसे वीडियोकॉन के समाधान पेशेवर ने खारिज कर दिया था। एम के शरावत की अध्यक्षता वाली एनसीएलटी की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई अगली तारीख आठ जुलाई रखी है। पिछले साल मार्च तक वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज पर कुल कर्ज 19,506 करोड़ रुपए था।

प्रत्यर्पण मामले में ब्रिटेन की अदालत में पेश किया जाएगा नीरव मोदी को

लंदन। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बृहस्पतिवार को लंदन की एक अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। वह 2 अरब डालर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी तथा मनी लांड्रिंग मामले में भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ मामला लड़ रहे हैं। इसी महीने वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट की अदालत में पिछली सुनवाई के दौरान चीफ मजिस्ट्रेट एम्मा आर्बुथनोट ने 48 वर्षीय मोदी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उसके बाद से वह दक्षिण-पश्चिम लंदन की वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। जमानत लेने का यह उसका तीसरा प्रयास था। उन्हें न्यायाधीश आर्बुथनोट के समक्ष बृहस्पतिवार को पेश किया जाएगा। इस दौरान उनके प्रत्यर्पण से जुड़ी सुनवाई के लिये एक व्यापक समयसीमा निर्धारित किये जाने की संभावना है। इससे पहले न्यायाधीश ने उनकी जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा था ।

चीन का आरोप: खुले आर्थिक आतंकवाद पर उतर गया है अमेरिका

बीजिंग। व्यापार युद्ध के बीच चीन ने गुरुवार को अमेरिका पर जोरदार हमला बोलते हुए उस पर ' खुल्लम खुल्ला आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया। दुनिया की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच काफी समय से विवाद जारी रहे। व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अटकी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी महीने चीन की वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाया है। साथ ही चीन की दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी हुवावेई को काली सूची में डाला है। चीन के उप विदेश मंत्री झांग हनहुई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम व्यापार युद्ध के खिलाफ हैं, लेकिन इससे डरते नहीं हैं। अमेरिका आर्थिक आतंकवाद में नंगेपन पर उतरा है। उसका रुख आर्थिक दृष्टि से उग्रराष्ट्रवाद और दूसरों को डराने धमकाने वाला है। उन्होंने चेताया कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ोतरी के बाद चीन ने जवाबी कदम उठाया है। चीन के मीडिया ने सुझाव दिया है कि वह अमेरिका को 'रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) का निर्यात रोक दे जिससे वह प्रौद्योगिकी उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण सामग्री से वंचित हो जाए।

रीयल एस्टेट डेवलपर को राहत दे सकता है वित्त मंत्रालय, है प्लानिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्रालय रीयल एस्टेट कंपनियों के लिए किराया के मकानों से प्राप्त लाभ पर 10 साल का कर अवकाश देने पर विचार कर सकता है. निवेश को पटरी पर लाने और अर्थव्यवस्था को गति देने के इरादे से इस प्रस्ताव पर विचार कर सकता है. सूत्रों ने यह जानकारी दी. वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हाल में हुई बैठक में रीयलएस्टेट कंपनियों से क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों से पार पाने के लिए उपाय सुझाने को कहा गया था. उनसे मकान किराया कारोबार मॉडल पर एक नोट भी देने को कहा गया जिसमें व्यय को कटौती के लिये दावे के रूप में रखने की अनुमति दी जाएगी. वहीं लाभ पर 10 साल के लिये कर से छूट दी जाएगी. पिछले कुछ साल से देश में निवेश कारोबार जीडीपी के 36 प्रतिशत से घटकर 29 प्रतिशत पर आ गया है और वित्त मंत्रालय को भरोसा है कि इस गिरावट का मुख्य कारण रीयल एस्टेट क्षेत्र में नरमी है. मंत्रालय 2019-20 के बजट की तैयारी के लिये उद्योग मंडलों के साथ पहले ही चर्चा शुरू कर चुका है. बजट जुलाई में पेश किये जाने की संभावना है. क्षेत्र में मांग बढ़ाने के लिये जीएसटी परिषद ने किफायती मकानों से संबद्ध नई परियोजनाओं पर बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट के कर की दरों में कटौती कर 1 प्रतिशत तथा अन्य के लिये 5 प्रतिशत कर दिया है. वहीं इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ यह क्रमशः 8 प्रतिशत से 12 प्रतिशत है. निर्माणधीन परिर्याजनाओं के संदर्भ में बिल्डरों को कर की पुरानी तथा नई दरों में से किसी एक को चुनने का विकल्प है. इसका मकसद इनपुट टैक्स क्रेडिट के मुद्दों का समाधान करना है।

मोदी सरकार जुलाई के पहले हफ्ते में पेश कर सकती है बजट, तैयारियां शुरू: सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई सरकार के गठन के बाद मोदी सरकार जुलाई के पहले हफ्ते में बजट पेश कर सकती है. इससे पहले सरकार ने चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश किया था. अंतिरिम बजट में कुछ फैसले ऐसे रखे गए थे, जिन्हें जुलाई में पेश होने वाले बजट में पूर्ण रूप दिया जा सकता है. सूत्रों की मानें तो वित्त मंत्रालय ने एनडीए को मिले प्रचंड बहुमत के बाद ही बजट का खाका तैयार करना शुरू कर दिया है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बजट के लिए पहले ही इंडस्ट्रीज के साथ बैठकों का दौर शुरू हो चुका है.

नौकरी बढ़ाने वाले क्षेत्रों पर होगा सरकार का फोकस

बजट में सरकार का फोकस इकोनॉमी की ग्रोथ को पटरी पर लाने का होगा. नौकरी बढ़ाने वाले रियल एस्टेट, इंफ्रा और कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर भी सरकार ध्यान देगी. किसानों की आय बढ़ाने की योजनाओं पर अमल में लाया जा सकता है. स्स्र्श्वह्य की लाभ योजनाओं को पहले से ज्यादा असरदार किए जाने की संभावना है. किया जाएगा. सरकार की रतफ से 'मेक इन इंडिया' और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने पर भी जोर है. इसके अलावा स्नष्ठढ्ढ के नियमों को और आसान बनाने की कोशिश सरकार की तरफ से की जाएगी. ज्यादातर क्षेत्रों में ऑटोमेटिक रूट से स्नष्ठढ्ढ नियमों में छूट. लोगों को नौकरी लायक हुनरमंद बनाने पर भी सकरार फोकस करेगी. बड़े टैक्स सुधार के तौर पर डायरेक्ट टैक्स का खाका तैयार किया जाएगा.

फरवरी में आया था अंतरिम बजट

केंद्र की मोदी सरकार ने 1 फरवरी 2019 को परंपरा के मुताबिक, चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश किया था. लेकिन, बजट पेश करने से पहले ही सरकार ने इशारा दिया था कि यह बजट पूर्ण बजट की ही छवि है।

बजट डॉक्यूमेंट पर भी अंतरिम बजट नहीं लिखा गया था. वित्त मंत्रालय ने 19 मई को आए एग्जिट पोल के बाद से ही बजट की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं. वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने सबसे पहले के अधिकारियों के साथ बैठक की. वहीं, दूसरे उद्योग संगठनों के साथ भी बजट संबंधी बैठकें हो चुकी हैं. सूत्रों की मानें तो मंत्रालय ने दूसरे मंत्रालयों से भी सुझाव मंगाए हैं. वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कुछ अधिकारियों को बजट को लेकर डॉक्यूमेंटेशन करने की जिम्मेदारी 19 मई को ही सौंप दी गई थी।

बिना फूड सेफ्टी लाइसैंस के चल रहे 80 प्रतिशत ढाबे, रेस्तरां

मुम्बई। देश के काफी होटलों, रेस्तरांओं, ढाबों में खाने-पीने का मामला रामभरोसे चल रहा है। 80 प्रतिशत ढाबे व रेस्तरां बिना फूड सेफ्टी लाइसैंस के चल रहे हैं। इसे देखते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.ए.आई.) पर दबाव बढ़ा है कि वह खासतौर पर छोटे कारोबारियों का रजिस्ट्रेशन करने में तेजी दिखाए। फूड रैगुलेटर और नैशनल रैस्टोरैंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एन.आर.ए.आई.) के लेटैस्ट डाटा के अनुसार देश में करीब 24.9 लाख फूड बिजनैस ऑप्रेटर्स (एफ.बी.ओ.) हैं। इनमें से महज 4.67 लाख के पास एफ.एस.एस.ए.आई. लाइसैंस है। एफ.बी.ओ. में रैस्टोरैंट, ईटरी, ढाबा जैसे सभी प्लेटफॉर्म आते हैं। पिछले हफ्ते एफ.एस.एस.ए.आई. ने सभी राज्यों के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को लैटर भेजकर कहा था कि अगर जांच-पड़ताल में कोई कमी न मिले तो आवेदन के 2 महीने के भीतर कारोबारी को लाइसैंस दे दिया जाए। उसने यह छूट दी थी कि बहुत छोटे कारोबारी मंजूरी मिलने या आवेदन रद्द होने के बारे में निर्णय न होने पर भी कामकाज शुरू कर सकते हैं। लैटर के अनुसार अगर एक हफ्ते के भीतर रसोई और खाने के निरीक्षण का आदेश नहीं आता है या फिर एक महीने के भीतर आवेदन पर कोई फैसला नहीं होता है तो ऑप्रेटर बिजनैस शुरू कर सकते हैं। फूड सर्विस सैक्टर की वैल्यू करीब 4.23 लाख करोड़ रुपए है, लेकिन इंडस्ट्री का 65 प्रतिशत हिस्सा अभी भी असंगठित है। हालांकि एन.आर.ए.आई. को भरोसा है कि यह आंकड़ा 2023 तक गिरकर 57 प्रतिशत पर आ जाएगा। एन.आर.ए.आई. के प्रैजीडैंट राहुल सिंह ने कहा कि ये असंगठित कारोबार एफ.एस.एस.ए.आई. या जी.एस.टी. के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं। एफ.एस.एस.ए.आई. की सतर्कता, उपभोक्ताओं की बढ़ती जागरूकता और एग्रीगेटर्स की डीलिस्टिंग के चलते इंडस्ट्री रजिस्ट्रेशन का ट्रैंड बढ़ रहा है।

अमेजन ने भी शुरू की फास्टैग की बिक्री, टोल पर ब्रेक लगाए बिना भरेंगे फर्राटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिना किसी रुकावट के सड़क पर यातायात करने और डिजिटल टोल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन के जरिये भी फास्टैग खरीदा जा सकता है. फास्टैग फिर से चार्ज कराने योग्य टैग है. इसके माध्यम से टोल नाकों पर टोल भुगतान अपने आप कट जाता है. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण फास्टैग चार पहिया वाहनों यानी कार, जीप और वैन के लिए ही ऑनलाइन उपलब्ध है. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा, फास्टैग अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन पर भी उपल्बध है. ऑनलाइन एनएचएआई फास्टैग स्वयं कार्य करने (डू-इट-योरस्लेफ) की परिकल्पना के आधार पर तैयार किया गया है. माई फास्टैग एप में उपभोक्ता और वाहन का विस्तृत ब योरा डालकर खुद से फास्टैग को सक्रिय किया जा सकता है. इसके बाद उपभोक्ता को अपनी पसंद के मौजूदा बैंक खाते से टैग को जोड़ना होगा.। वर्तमान में फास्टैग को बैंक खाते से जोड़ने की सुविधा 7 बैंकों में दी गई है. इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, पेटीएम पैमेंट्स बैंक और इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक शामिल है. एनएचएआई द्वारा प्रवर्तित भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने जनवरी 2019 में फास्टैग पेश किया था। राजमार्ग प्राधिकरण के फास्टैग के लिए किसी बैंक को चुना नहीं गया है. उपभोक्ता माई फास्टैग मोबाइल एप से फास्टैग को अपने वर्तमान बैंक खाते से लिंक कर सकता है. यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है. फास्टैग दिल्ली-एनसीआर में चुनिंदा पेट्रोल पम्पों तथा सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) पर भी उपलब्ध है. इसका विस्तार अन्य मेट्रों शहरों तक करने की प्रक्रिया चल रही है. मंत्रालय ने कहा कि यह ऑनलाइन बिक्री व्यवस्था आईएचएमसीएल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे उपभोक्ताओं तक फास्टैग आसानी से पहुंच जाएगा. एनएचएआई फास्टैग ऑनलाइन उपलब्ध होने से उपयोगकर्ताओं की सुविधा बढ़ेगी और आसानी से टोल का डिजिटल भुगतान हो सकेगा , जिसके परिणामस्वरूप समय , धन और ईंधन की बचत होगी।

चाइल्ड लेबर के प्रति सतर्क रह उनकी शिक्षा के प्रति सहभागी बने

Federation of Surat Textile Traders Association

सूरत। गुरुवार को टेक्सटाइल मार्केट के फोस्टा द्वारा आयोजित चाइल्ड एण्ड लेबर एक्ट पर आज दिनांक 30/5/2019 को असिस्टेंट कमिश्नर आफ लेबर आशीष गांधी तथा उनकी टीम के साथ चाईल्ड लेबर एक्ट के बारे में मार्गदर्शन देने एवं व्यापारियों में जागृति लाने के लिए फेडरेशन आफ सूरत टक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन में आये थे।

आशीष गांधी ने बताया कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को बाल और तरुण श्रमयोगी अधिनियम 2016 के अन्तर्गत काम पर रखना कानून अपराध है। यदि कोई ऐसा करता है तो केस कलम 3 के अनुसार संस्था के मालिक के सामने एफ.आई.आर. दाखिल हो सकती है। उसमें 2 साल तक की सजा एं 20 हजार से 50 हजार का जुर्माना वसूला जा सकता है।

आशीष ने बताया कि फोस्टा के साथ पिछले कई वर्षों से बार बास मीटींग सेमीनार करने तथा मार्केटों में जागृति से इसमें बाहर से आने वाले बच्चों में कमी आयी है। परन्तु मार्केट में अभी भी व्यापारियों को मानवता के लिहाज से 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर नहीं रखना चाहिए तथा जहां बच्चा काम कर रहा हो उसका पता लेकर हेल्पलाईन नं. 1098 पर भिजवा कर सहयोग करे।

12 जून 2019 को गुजरात के मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी की अध्यक्षता में चाईल्ड लेबर को लेकर एक विशाल विश्व स्तर का डोक्युमेन्टरी फिल्म के साथ इसे नावूद करने का अभियान चलाया जायेगा। साथ ही सभी को मिलकर रकार की 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को शिक्षा जो मुक्त दी जाती है उसके लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि अशिक्षित बच्चें भविष्य की बेरोजगारी में न धकेले जाये तथा वे अच्छे नागरिक बन सके इसके लिए सभी व्यापारी सहयोग करे।

चैम्बर को भेजी गयी लीगल नोटिस सुखद समाधान

बंधारण के संदर्भ में महत्वपुर्ण सूचनाओं के सम्बन्ध में न्यायोचित किया जायेगा

सूरत। गुरुवार दी सर्दन गुजरात चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज की मैनेजिंग कमिटी के सदस्य नितिन भरुचा द्वारा चैम्बर को लीगल नोटिस भेजी गयी थी। इस सन्दर्भ में चैम्बर की एक कमिटी नितिन भाई की खराब तबियत को ध्यान में रखकर उनका खबर अन्तर पूछने हेतु उनके घर गयी थी। नितिन भाई भरुचा ने चैम्बर की मैनेजिंग कमिटी की प्रत्येक मीटिंग में उपस्थित रहकर सक्रिय भूमिका निभाते तथा चैम्बर के प्रवृतियों में सकारात्मक अभिगम रखते कमिटी द्वारा संज्ञान में लिया गया था। कमिटी ने नितिन भाई की लीगल नोटिस के संदर्भ में प्रस्तुति देखने के बाद उन्हें इस सन्दर्भ में आगे न बढने हेतु अनुरोध किया है। इस सन्दर्भ में चैम्बर की एक कमिटी नितिन भाई की खराब तबियत को ध्यान में रखकर उनका खबर अन्तर पूछने हेतु उनके घर गयी थी।चैम्बर के अनुरोध का सम्मान करते हुए नितिन भरुचा ने उनके द्वारा कभी भी चैम्बर के हित को हानि न पहुचाने की बात कही। इस विषय में आगे न बढने का विश्वास भी दिया। चैम्बर की कमिटी ने भी बधारण के विषय पर उनकी सूचनाओं पर ध्यान दे इस सन्दर्भ में उचित कार्यवाही करने का विश्वास नितिन भाई को दिया। इस तरह सम्पूर्ण विषय का सुखद समाधान हुआ।

चार से अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर प्रतिबन्ध लागू

सूरत। गुरुवार सूरत शहर में वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में लेकर जाहेर शान्ति एवं सूरक्षा का वातावरण बना रहे कायदा एवं व्यवस्था की परिस्थिति कायम रहे इस हेतु से शहर के सहायक पुलिस कमिश्नर (विशेष शाखा) पी.एल.चौधरी ने परिपत्र जारी कर सूचित किया है कि चार से अधिक व्यक्तियों के एस साथ इकट्ठे होने पर प्रतिबन्ध लागू कर दिया गया है। कोई सभा इकट्ठे होने पर प्रतिबन्ध लागू कर दिया गया है। कोई सभा करने या जुलूस, रैली निकालने पर ता. 3/6/2019 तक प्रतिबनंध लागू किया गया है। अपवाद स्वरुप सरकारी या अर्द्ध सरकारी कार्य साथे सम्बद्ध तथा स्मशान यात्रा एवं लग्न का वरघोड़ा को ये प्रतिबंध लागू नहीं पडेगा।

कामरेज रोड़ पर दौड़ती होण्डा कार में से विदेशी दारू का जत्था मिला

एक लाख की दारू सहित 3 लाख की कार पुलिस ने जब्त की

सूरत। गुरुवार को कामरेज दादा भगवान के सामने रोड़ पर होण्डा कार में पुलिस जांच के दौरान 1060 नग विदेशी बनावट की दारु की वाटली मूल्य लगभग 1.03 लाख तथा रु. 3.00 लाख की कार मिलाकर कुल 4.18 लाख का मुद्दामाल जब्त कर कार मालिक सहित दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी की है। पुलिस सूत्रों की सुचनानुसार मूल भावनगर जिले के महुवा तालुका निवासी तथा हाल में सिमाड़ा योगीनगर निवासी नरेश पडशाला एवं उनका मित्र पीयुष बाबूभाई पटेल इत्यादित ने अपनी होण्डा कार जी.जे 06 के डी. 9546 में बिना पास परमिट की विदेशी दारू की 1060 नग बाटलीयां भर कर ले जा रहा था तभी कामेरज गाम दादा भगवान मंदिर के सामने पुलिस ने उनकी कार को रोकर जांच की तो विदेशी दारू का जत्था तथा होण्डा कार मिलाकर कुल 4.18 लाख का मुद्दा माल जब्त क दो आरोपियों की गिरफ्तारी की है, तथा मुद्दा माल मंगाने वाले तीन व्यक्तियों को पुलिस ने वान्टेड जाहेर किया है।

पॉलिसी में बदलाव कर अवैध शराब तस्करी रोकेगी गुजरात में आर्मी कैंटीन

अहमदाबाद । गुजरात में काफी लोकप्रिय आर्मी कैंटीन से मिलने वाली शराब खरीदने में अब नए नियम लागू होने के बाद दिक्कतें आ रही है। सेना के जवान अपने कोटे से दो से चार शराब की बोतलें बेचकर पैसा कमाते थे। परंतु शराब की अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए अब सेना ने अपनी शराब वितरण पॉलिसी में बदलाव कर दिए हैं। हाल ही में अहमदाबाद पुलिस को छापेमारी के दौरान सेना के कोटे वाली शराब अधिक मात्रा में मिली थी। अहमदाबाद की आर्मी कैंटोनमेंट कैंटीन ने परमिट होल्डरों को शराब की बोतल देने के नियम में बदलाव किए हैं। नए नियम के अनुसार कैंटीन एक समय में परमिट होल्डर को केवल दो शराब की बोतलें देगा। साथ ही ड्यूटी पर तैनात अधिकारी बोतल पर साइन करके सील भी रिमूव करेगा।

पुलिस-मेडिसिटी सिविल के संयुक्त सान्निध्य में रैली होगी

मेडिकल-डेन्टल, नर्सिंग के हजार से ज्यादा विद्यार्थियों, डॉक्टर शामिल होंगे और व्यसन मुक्ति का संदेश देंगे

अहमदाबाद । ३१.०५.२०१९ को विश्व व्यसन मुक्ति दिवस को अनोखा उत्सव के तहत अहमदाबाद पुलिस और मेडिसिटी सिविल अस्पताल के संयुक्त सान्निध्य में व्यसन मुक्ति अभियान के तहत एक रैली और जागरूकता प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। जिसमें सिविल अस्पताल के स्टाफ, मेडिकल विद्यार्थियों, पुलिस कर्मचारियों सहित के लोग विशेष हिस्सा लेंगे और व्यसन मुक्ति और इसके दुषण से जीवन बरबाद होने के चंगुल में से मुक्त होने के लिए जागरूकता फैलाएंगे और सामाजिक संदेश दिया जाएगा यह सिविल अस्पताल के मेडिकल सुप्रीटेन्डन्ट डॉ. एमएम. प्रभाकर ने बताया।

उन्होंने आगे बताया कि, शुक्रवार को सुबह में ९ बजे बीजे मेडिकल कॉलेज से यह विशाल जागरूकता रैली की शुरूआत होगी। जिसमें सिविल अस्पताल के डॉक्टरों, स्टाफ कर्मचारियों के अलावा मेडिकल, डेन्टल, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग के एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी रैली में शामिल होंगे।

विद्यार्थियों ने हाथ में व्यसन मुक्ति और व्यसन की दुषण को खत्म करो, परिवार और आपके जीवन को बचाओ सहित के सामाजिक संदेश के साथ बैनर, प्लेकार्ड लेकर लोगों को जागरूकत करने का प्रयास किया जाएगा। सिविल अस्पताल के मेडिकल सुप्रीटेन्डन्ट डॉ. एमएम. प्रभाकर ने आगे बताया कि, यह रैली बीजे मेडिकल कॉलेज से निकलकर सिविल अस्पताल में और वहां से इसके चारों तरफ बाहर रोड पर क्षेत्रों में घूमकर सिविल अस्पताल की ओपीडी के पास अस्मीता भवन में पूरी होगी। इस रैली में पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों और अधिकारी भी विशेष उपस्थित रहेंगे। व्यक्ति के जीवन में तंबाकू, धुम्रपान, शराब सहित कोई भी व्यसन, नशा या आदी यह बहुत खराब आदत है। इसकी वजह से व्यक्ति का अपना जीवन तो बरबाद होता है लेकिन इसकी वजह से इसका परिवार भी इस दूषण का शिकार हो जाता है। व्यसन की वजह से सामाजिक अध:पतन भी होता है तब समाज, राज्य और राष्ट्र को व्यसन मुक्त बनाने की सभी की जिम्मेदारी है।

सट्टेबाजों में हॉट फेवरेट इंग्लैंड हॉट फेवरेट

वर्ल्डकप में गुजरात में ही ज्यादा का सट्टा खेलने का अनुमान हैं

आईपीएल बाद वर्ल्डकप में सट्टेबाजों की सबसे बड़ी सीजन आ गई : पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती समान

अहमदाबाद । आज से क्रिकेट के महाकुंभ यानी कि वर्ल्डकप की शुरूआत हुई है तब सट्टेबाजों और सटोरियों के लिए सबसे बड़ी सीजन आ गई है। विशेष करके देश और दुनिया में पूरे वर्ल्डकप के दौरान करोड़ों-अरबों रुपये की उथलपुथल हो जाएगी। यदि गुजरात की बात करे तो सिर्फ गुजरात में ही वर्ल्डकप में एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का सट्टा खेलने का अनुमान लगाया जा रहा है।

हालांकि इस बार के वर्ल्डकप में सट्टेबाजों के मत से वर्ल्डकप के लिए मेजबान इंग्लैंड हॉट फेवरेट है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया और तीसरे नंबर पर भारत फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि, कुछ सट्टेबाज इंडियन क्रिकेट टीम के रोहित शर्मा, कोहली, हार्दिक पंडया, धोनी, भुवनेश्वर कुमार (भुवी) और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों और उनके फॉर्म को लेकर भारत को भी वर्ल्डकप के लिए हॉट फेवरेट बता रहे है।

वर्ल्डकप को लेकर गुरुवार से गुजरात सहित देशभर का सट्टाबाजार शुरू हो गया है और खिलाड़ियों के फॉर्म, रन, टीम की जीत सहित की मामलों को लेकर सट्टा खिलवाने की शुरूआत हो गई है तब सट्टाबाजार में जैसे तेजी आ गई है। हालांकि, आज के मोबाइल-टेब्लेट के आधुनिक जमाने में आजकल सट्टा खेलना आसान हो गया है। मोबाइल में एक सिर्फ एप्लीकेशन से ही सट्टा खेला जा सकता है। ऑनलाइन वेबसाइट में लोगीन आईडी से सट्टा खेला जाता है। वर्ल्डकप सट्टेबाज ही नहीं लेकिन पुलिस के लिए सीजन कहा जाता है पुलिस छोटे सट्टेबाजों को गिरफ्तार करती है। आगे ज हां सट्टेबाज सट्टा कटवाते है तब तक में तो पुलिस के लिए ऑफर चालू हो जाता है।

आईपीएल के दौरान अहमदाबाद पुलिस सहित पूरे राज्य में पुलिस ने सट्टा खेलते लोगों और सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन आज तक कोई ऐसे बड़े सट्टेबाज को गुजरात पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आईपीएल खेलने वाले पुराने सट्टेबाज अब फिर से सक्रिय हो गये है और करोड़ों के सट्टा खेलकर उथलपुथल करने में लग गये है।

देशी शराब, भट्ठियों सहित मालसामान को नष्ट किया

राजकोट में कुबलियापरा के शराब अड्डों पर पुलिस पहुंची

अहमदाबाद । हप्ताराज के दूषण के बीच गुरुवार को राजकोट में कुबलियापरा में गुरुवार को पुलिस प्रशासन ने पहुंचकर काफी आश्चर्यचकित कर दिया। पुलिस ने बड़े पैमाने पर ऑपरेशन शुरू करके शराब के बड़े जत्थे और इसके संबंधित साधन-सामग्री और मालसामान को नष्ट किया गया तो ३० हजार रुपये की शराब की बनावट में इस्तेमाल लिया जाता मालसामान जब्त किया गया। राजकोट एसओजी पुलिस, स्थानीय क्राइम ब्रांच और पुलिस स्टाफ के विशाल काफिले के साथ शुरू किए गए इस ऑपरेशन को लेकर राजकोट के अन्य बुटलेगरों में भी दहशत फैल गई। पुलिस ने देशी शराब की भट्टी चला रहे १२ बुटलेगरों के विरूद्ध अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

गांधी के गुजरात और विजय रुपाणी के वतन राजकोट में शराबंदी की बातें सिर्फ कागज पर होने का सामने आया। जिसमें राजकोट के कुबलियापरा में देशी शराबों की भट्टी है यह बात सभी को मालूम है। देशी शराब के व्यापारी भी महीने लाखों का हप्ता देते है यह बात निजी में सभी को मालूम है। लेकिन आज अचानक ही पुलिस को यह क्षेत्र आया और १५० पुलिस सुबह से कार्रवाई शुरू करके और घर में चल रहे देशी शराब के भट्टे पर कार्रवाई शुरू कर दी। जिसमें ३० हजार देशी शराब बनाने के मालसामान को नष्ट किया गया। हालांकि छापेमारी के दौरान कुबलियापरा क्षेत्र में देशी शराब की नदी बहने लगी। कुबलियापरा यानी कि देशी शराब बनाने का केंद्र है। इस क्षेत्र में वर्षों से देशी शराब मिलता है और पुलिस की कृपा से हप्ताराज के बीच धंधा होता ही है। पुलिस को अचानक ही गुरुवार को यह क्षेत्र याद आया और ड्राइव चलाई गई। जिसमें क्राइम ब्रांच, एसओजी पुलिस सहित १५० पुलिस ने सुबह से छापेमारी की गई। जिसमें घर में शराब रखने के लिए टाका बनाया गया था यह दिखाई दिया। इसके अलावा देशी शराब की तैयार थैली भी मिली थी। पूरे ऑपरेशन के दौरान पुलिस द्वारा ६०० लीटर शराब को नष्ट किया गया।

अवैध शराब तस्करी को रोकने के लिए बदलाव

गुजरात में आर्मी कैंटीन ने बदली अपनी पॉलिसी

अहमदाबाद । आर्मी कैंटीन से मिलने वाली शराब गुजरात में काफी लोकप्रिय है लेकिन नए नियम के लागू होने के चलते यहां लोगों को आर्मी वाली शराब खरीदने में दिक्कतें आ रही हैं।

सेना के जवान भी अपने कोटे से २ से ४ शराब की बोतलें बेचकर अक्सर पैसा कमाते थे हालांकि शराब की अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए सेना ने अपनी शराब वितरण पॉलिसी पर बदलाव किए हैं। हाल ही में अहमदाबाद पुलिस को छापेमारी के दौरान सेना के कोटे वाली शराब अधिक मात्रा में मिली थी। इसके बाद अहमदाबाद की आर्मी कैंटोमेंट कैंटीन ने परमिट होल्डरों को शराब की बोतल देने के नियम में बदलाव किए हैं। नए नियम के मुताबिक, कैंटीन एक समय में परमिट होल्डर को सिर्फ दो शराब की बोतल देगी। न सिर्फ यह, बल्कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारी बोतल पर साइन करके सील भी रिमूव करेगा। इसके अलावा नई बोतल खरीदने के लिए पुरानी बोतलों को वैलिड साइन के साथ वापस करना भी जरूरी होगा।

यह नियम रिटायर्ड जवानों के लिए मान्य नहीं होगा। बता दें कि हर महीने सेवारत जवानों को पांच यूनिट और रिटायर्ड जवानों को ४ यूनिट शराब शराब मिलती है। जबकि नायब सूबेदार और अधिकारियों के लिए कोटा ६ और १० यूनिट होता है।

हारीज के तंबोलीया नहर में लीकेज की रिपेरिंग पेंडिंग

तंबोलिया नर्मदा मुख्य नहर में पांच फीट बड़ा लीकेज

पहली बारिश में यदि नहर टूटेगा निकट के गांवों को खतरा : स्थानी ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई

अहमदाबाद । पाटण के हारीज तहसील के तंबोलीया गांव से गुजरती नर्मदा मुख्य नहर के कई दरवाजे के आगे ५० फीट के अलावा लीकेज हो जाने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई क्योंकि, यह लीकेज को लेकर अब मानसून निकट है तब मूसलाधार बारिश हुई तो पूरा तंबोलिया गांव को खतरा हो सकता है। नहर में लीकेज बाद भी सरकारी अधिकारी पहले से कोई कदम उठाने के लिए तैयार नहीं है और सरकार का कोई सुनता नहीं हो ऐसा दिखाई दे रहा है। नहर में इतना बड़े लीकेज की रिपेरिंग का काम भी पेंडिंग रहने से स्थानीय ग्रामीणों में प्रशासन के गंभीर लापरवाही और निष्क्रिय रवैये को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। सरदार सरोवर नर्मदा निगम मुख्य नहर तंबोलिया के निकट सीआर. सांकल. ३३३.८४८ नंबर पर स्थित दरवाजे की चल रहे प्रवाह के बाहर ५० फीट बड़ा लीकेज हो गया है। जिसकी वजह से पिछले दो महीने से ब्रांच नहर में भी पानी बंद है। नहर के लीकेज को रिपेरिंग को लेकर नर्मदा नहर के कर्मचारी निष्क्रिय हो गये ऐसा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। यदि पहली बारिश आने के साथ ही नहर टूटे तो २०१७ की अकाल में खारिया गांव की नहर टूटने से जो परिस्थिति हुई थी इसके विपरित परिस्थिति का निर्माण हो सकता है ऐसी गंभीर दहशत पैदा हुई है। नहर में हुए लीकेज की रिपेरिंग करके पहले से कार्रवाई की जाए वह तंबोलिया के ग्रामीण मांग कर रहे है। लेकिन स्थानीय सरकारी प्रशासन जैसे निष्क्रिय बन गया हो ऐसा लग रहा है। प्रशासन के अधिकारी खुद की ड्यूटी और जिम्मेदारी के प्रति गंभीर उदासीन अपना रहे है तब यह मानसून के दौरान कोई दुर्घटना हो तो इसके लिए जिम्मेदार कौन यह सहित के गंभीर सवाल भी प्रशासन के खिलाफ उठाये जा रहे है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)